## रंदौली में निफा ने 72 पौधे लगाए

**इन्द्री, ( म.मो. )** निफा टीम ने आज रंदौली के सरकारी स्कूल में 72 पौधे रोपित किए गए। इंद्री के निफा मुख्य सदस्य डॉ सुरेंद्र दत्त ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए निफा अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नु के नेतृत्व में पूरे भारत में पौधारोपण किया जा रहा है। इसी कड़ी में निफा की टीम इन्द्री के विभिन्न क्षेत्रों में पौधे लगाने का काम कर रही है। इस मौके पर निफा हलका प्रधान विपिन काम्बोज, हरीश माणिक,दीदार सिंह, दीपा सिंह, ख्वाहिश, नीतीश, संजू, शिवचरण, सिमरन, निखिल, आशु खान, अरुण कलसौरा, धर्मबीर शर्मा बीबीपुर, शिव शर्मा, मनु दत्ताना ब्याना, नवीन जैनपुर आदि के सहयोग के सहयोग से अभियान आगे बढ़ रहा है।

## भारी बारिश के बावजूद आंगनवाड़ी वर्करों का प्रदर्शन

**करनाल ( म.मो. )** बुधवार को सीएम सिटी में आंगनवाड़ी वर्करों और हेल्परों ने बरसात में भी जमकर हल्ला बोला। सरकार द्वारा अनदेखी किए जाने से आहत वर्करों में भारी गुस्सा देखने को मिला। महिलाओं ने कर्ण पार्क में जमा होना था। मगर बरसात के चलते मानव सेवा संघ में विशाल सभा की गई। सैकड़ों वर्करों व हेल्परों ने सभा में हिस्सा लिया। दोपहर करीब दो बजे वर्कर कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय की ओर कूच किया। बरसात में सरकार के खिलाफ गरजते हुए आंगनवाड़ी वर्करों ने जोरदार नारे लगाए। मांगों का ज्ञापन सीडीपीओ को महानिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग के नाम सौंपा गया। प्रदर्शनकारी महिलाओं की अगुवाई जिला प्रधान रूपा राणा व सचिव बिजनेश राणा ने की।

इस मौके पर रूपा व बिजनेश ने कहा कि आंगनवाड़ी वर्करों को जब तक स्मार्ट फोन नहीं दिए जाते तब तक उन पर पोषण ट्रैक एप डाउनलोड करने का दबाव न बनाया जाए। ऑनलाइन काम के लिए रिचार्ज कम से कम 500 रुपये का करवाया जाए। सभी वर्करों को प्रशिक्षित किया जाए। वर्करों व हेल्परों को मानदेय हर माह 7 तारीख तक मिल जाए।

इस अवसर पर सीटू जिला प्रधान सतपाल सैनी, ओपी माटा, राकेश राणा, अमरजीत कौर, शीला, सुनीता, सर्वेश राणा, कमलजीत कौर, निर्मला, पुष्पा, सरोज, रजनी, आशा, नीलम, संगीता, ममता, मंजू, रीना, उमा शर्मा, मेसर, बबली, शालिनी व संतोष ने वर्करों को संबोधित किया।

## मुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफा

**करनाल, ( म.मो. ) :** कांग्रेस के जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह ने कहा है कि करनाल में 15 दिनों में दूसरी बार कुछ घंटों की बारिश ने सीएम सिटी में पानी की निकासी की पोल खोल कर रख दी है। पानी निकासी की व्यवस्था करने में प्रशासन पूरी तरह नाकाम रहा है। इसकी नैतिक जिम्मेदारी मुख्यमंत्री तथा करनाल के विधायक मनोहर लाल को स्वीकारते हुए त्यागपत्र देना चाहिये। उन्होंने कहा कि 2 अगस्त को डीसी को ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री से त्यागपत्र देने की मांग करेंगे। कांग्रेस के जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह ने कहा कि 2014 और 2019 में जिन आशाओं के साथ मनोहर लाल को विधायक बना कर भेजा गया था। उन आशाओं पर मनोहर लाल खरे नहीं उतरे हैं। उन्होंने करनाल के लोगो को डूबने के लिये भगवान भरोसे छोड़ दिया है। आखिर मुख्यमंत्री लापरवाह प्रशासन पर क्यों मेहरबान है।

## न डंपिंग साइट से कूड़ा हट रहा, न गलियों से

**करनाल, ( म.मो. ):** स्वच्छ सर्वेक्षण में देशभर में 17वीं रैंक हासिल करने वाले करनाल शहर की सफाई दिन प्रतिदिन बिगड़ती ही जा रही हैं। बेहतर सफाई व्यवस्था के लिए पहले कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को पे रोल पर लिया गया। अब कूड़ा उठाने का ठेका भी दिया गया तो भी सफाई व्यवस्था बेहाल ही है। शहर की सड़कों पर फिर से गंदगी दिखने लगी है। बारिश के दिनों में कचरा और अधिक परेशानी भरा साबित हो रहा है। समय से कचरे का उठान ना होने के कारण जगह-जगह कचरे में बदबू उठ रही है ।

नगर निगम के सफाई बेड़े से शहर की सफाई व्यवस्था संभाले नहीं संभल रही। शहर के गली मोहल्लों के अलावा मुख्य सड़कों पर कचरा ही कचरा दिखाई देता है। नगर निगम के तमाम तरह के सफाई संसाधनों के बावजूद शहर की सफाई ठीक से नहीं हो पा रही है। डंपिंग पॉइंट से भी कचरे का उठान समय से नहीं हो रहा है। जवाहर मार्केट में जहां पर छोटे-छोटे जूते बनाने के घर हैं, वहां भी कचरा सड़क पर फेंका जा रहा है। सड़क पर कचरा बिखरा होने के कारण उनमें कील वगैरह होने से कई बार लोगों के वाहनों के टायर पंक्चर हो जाते हैं।

# शहर जब पानी में डूब गया तो निगम आयुक्त जायजा लेने निकले

### सीएम सिटी का हाल बेहाल, बार-बार नाले की हो रही है सफाई

**करनाल, ( म.मो. )** शहर जब पूरी तरह पानी में डूब गया तो नगर निगम आयुक्त डॉ. मनोज कुमार जायजा लेने सड़क पर उतरे। समझा जाता है कि शहर में जलभराव और उसकी निकासी न होने पर हो रही चौतरफा आलोचना से घबराकर निगम आयुक्त को बाहर निकलना पड़ा। करीब 3 घंटे के दौरे की शुरुआत मॉडल टाऊन से कुंजपुरा रोड के टी प्वाइंट से हुई। यहां मौजूद नाले में बरसाती पानी बहकर मुगल कैनाल की तरफ जा रहा था। इसके बाद सैक्टर-6 स्थित प्रताप पब्लिक स्कूल के पास एक जगह सड़क पर तेज बारिश से जल भराव हो गया था, लेकिन पानी नालो के जरिए धीरे-धीरे निकल रहा था। ग्रीन बेल्ट एरिया में भी 2-3 जगहों पर सड़क पर पानी भरा था, साथ-साथ उसकी निकासी भी हो रही थी।

निगमायुक्त ने हेरिटेज लॉन के पास से गुजरते मुगल कैनाल में पानी के बहाव को देखा, जो बड़ी तेजी से बह रहा था। उन्होंने बताया कि इससे पहले यहां जल भराव की विकट स्थिति हो जाती थी, लेकिन पिछले दिनों नाले की सफाई से अब ऐसी समस्या देखने को नहीं मिली है। उन्होंने इसके पास ही 50 एम.एल.डी. क्षमता के एस.टी.पी. का भी दौरा किया और इसके परिसर में पौधारोपण करवाया। स्वयं आम का एक पौधा लगाया, दूसरे अधिकारियों ने भी पीपल, नीम व शीशम जैसे छायादार पौधे लगाए। उन्होंने एस.टी.पी. में पानी के 2 सैम्पल भी भरवाए और मौजूदा लैब में उनकी टेस्टिंग करने को कहा। दौरे को जारी रखते आयुक्त ने करनाल-कैथल रोड पर एन.एच. के साथ लगते एक नाले का निरीक्षण किया और वहां सड़क से नाले में जाने वाले बरसाती पानी की निकासी के किसी तरह के प्रबंध नहीं दिखाई देने से हैरानी दिखाई। इस समस्या से बरसाती पानी नाले में जाने की बजाए पास ही बाला जी कॉलोनी में जल भराव का रूप ले रहा था। निगमायुक्त ने राम नगर से लेकर एन.एच.-44 तक जाने वाले शहर के सबसे पुराने नाले में भी बरसाती पानी के बहाव का जायजा लिया। उन्होंने चांद सराय एरिया में जाकर इसका निरीक्षण किया। बता दें कि करीब 7-8 किलोमीटर लम्बे नाले की नगर निगम द्वारा दूसरी बार सफाई करवाई जा रही है। अब इसमें पानी निकासी के इंतजाम पहले से बेहतर हैं। एरिया बड़ा होने के कारण अभी करीब 1.5 किमीतक बची सफाई पर काम हो रहा है। आयुक्त ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसे जल्दी निपटाएं।

## किसान नेता चढ़ूनी 1 अगस्त को फिर दिखाएंगे अपनी ताकत

**करनाल, ( म.मो. ):** किसान नेता और बीकेयू के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी संयुक्त किसान मोर्चा से निलंबित होने के बाद 1 अगस्त को अपनी ताकत फिर दिखाएंगे। वह रोहद टोल से लेकर सिंघु बार्डर तक किसानों के जत्थे के साथ सड़क यात्रा निकालेंगे। आंदोलन को मजबूत करने का हवाला देकर गुरनाम चढ़ूनी ने यूनियन से जुड़े लोगों, आंदोलनकारियों व किसानों से आह्वान किया है कि वह 1 अगस्त को अपने ट्रैक्टरों, कारों, मोटरसाइकिलों व अन्य वाहनों के साथ रोहद टोल पर पहुंचे और उनका साथ दें। गुरनाम चढ़ूनी का यह काफिला रोहद टोल से रवाना होकर केएमपी के पास से आसौदा, जसौर खेड़ी, कुंडल, सोहटी, छतेहरा व नाहरा-नाहरी से होता हुआ सिंघु बार्डर जाएगा। गुरनाम चढ़ूनी के आह्वान पर बहादुरगढ़ व आसपास के क्षेत्रों में किसानों व आंदोलनकारियों को जुटाने के लिए उनके संगठन से जुड़े लोग प्रचार कर रहे हैं। वाहनों पर माइक लगाकर भी प्रचार किया जा रहा है। स्मरण रहे कि कई बार विवादों में रहे गुरनाम सिंह चढ़ूनी को 14 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चा ने एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया था। इसके बाद भी गुरनाम चढ़ूनी किसान आंदोलन को मजबूती देने के नाम पर अपना शक्ति प्रदर्शन करते रहे हैं। रोहद टोल से सिंघु बार्डर तक 1 अगस्त को निकाली जाने वाली यात्रा को भी इसी का हिस्सा माना जा रहा है। गुरनाम चढ़ूनी यह कहते रहे कि आंदोलन में उनके संगठन से जुड़े लोगों की भागीदारी ज्यादा है। ऐसे में वह एक बार फिर से आंदोलन में अपने भूमिका दिखाने की जोड़तोड़ में लगे हैं। वैसे भी गुरनाम सिंह के खिलाफ कुरूक्षेत्र जिले में गुणीप्रकाश मोर्चा खोले हुए हैं।

## पुरानी पेंशन बहाली पर विधायकों, सांसदों से पूछा जाएगा उनका रुख

**करनाल, ( म.मो. ):** पेंशन बहाली संघर्ष समिति जिला करनाल के जिला अध्यक्ष संदीप टूरण ने बताया कि 1 अगस्त से हरियाणा प्रदेश के सभी 90 विधायकों व सांसदो को पुरानी पेंशन नीति बहाली व अपनी पार्टी का पुरानी पेंशन नीति की बहाली के लिए रुख स्पष्ट करने को कहा जाएगा।

इसके साथ ही सभी राजनीतिक पार्टियों के अध्यक्ष व पक्ष तथा विपक्ष के नेताओं को राज्य कार्यकारिणी द्वारा ज्ञापन दिया जाएगा। इसके बाद सितम्बर माह में पुरानी पेंशन जागरूकता कार्यक्रम अभियान के तहत हरियाणा के सभी सरकारी विभागों में ब्लॉक, जिला व राज्य कार्यकारिणी के सदस्य एनपीएस के सभी अधिकारी व कर्मचारियों को जागरूक करेगें तथा पेंशन बहाली संघर्ष समिति के सहयोग के लिए समर्थन जुटा कर एक बड़े आंदोलन के लिए तैयार करेगें।

राज्य संगठन सचिव संदीप शर्मा ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा सड़क से संसद तक गूंज रहा है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के अथक प्रयास से पुरानी पेंशन नीति की बहाली का मुद्दा आज प्रदेश के कर्मचारियों का सबसे प्रमुख मुद्दा बन गया है। अब कोई भी राजनीतिक दल पुरानी पेंशन नीति की बहाली के मुद्दे को दरकिनार कर सरकार नहीं बना सकेगा।

देश व प्रदेश में सेवानिवृत्त हो रहे एनपीएस कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने पर उनकी पेंशन 500 से 2500 तक बन रही है जोकि हरियाणा में बुढ़ापा पेंशन से भी कम है। साथ ही कर्मचारी के जीवनभर की जमापूंजी शेयर बाजार के हवाले है, जिसकी वापसी की भी निश्चित गांरटी नही है। कर्मचारी बार-बार सरकार से आग्रह भी कर चुके है किंतु कोई हल नही निकल पाया है। जिस कारण कर्मचारियों के लिए संघर्ष ही एकमात्र रास्ता शेष है। कर्मचारी अपने भविष्य को बचाने के लिए पेंशन बहाली संघर्ष समिति के बैनर तले संगठित होकर प्रयास कर रहे है।